International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

हरियाणा में ग्रामीण स्थानीय महिला प्रतिनिधियों की राजनीति के प्रति अनुक्रियाएंः एक आनुभाविक अध्ययन

अंशु[1]

डॉ. संगीता विजय[2]

किसी भी राजनीतिक व्यवस्था की प्रकृति का निर्धारण एवं नियमन उसमें रहने वाले लोगों की राजनीतिक जानकारी व जागरूकता पर निर्भर होता है। राजनीतिक जानकारी का स्तर उच्च होना लोकतंत्र के सफल संचालन के लिए आवश्यक है क्योंकि राजनीतिक जानकारी का उच्च स्तर राजनीतिक प्रक्रियाओं में अर्थपूर्ण सहभागिता बढ़ाता है।[1] लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिला राजनीतिक सहभागिता के लिए राजनीतिक जानकारी एवं जागरूकता जरूरी हैं।महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता जानने के लिए उनकी राजनीति के प्रति अनुक्रियाएं जानकारी एवं जागरूकता को जानना जरूरी होता है। इसलिए प्रस्तुत शोध पत्र में भारत में हरियाणा राज्य में रेवाडी जिले की महिला सरपंचो की राजनीति के प्रति अनुकियाओं, जानकारी व दृष्टिकोण का अनुभाविक अध्ययन किया गया है। इसके लिए 138 महिला सरपंचो को साक्षात्कार अनुसूची द्वारा तथ्यों का संकलन कर विश्लेषण किया गया है।

मुख्य शब्द : राजनीति जानकारी, दृष्टिकोण, महिला राजनीतिक सहभागिता

भारतीय संविधान द्वारा महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त होने के अवसर दिये गए है। संविधान के 73वें एवं 74वें संशोधनों के माध्यम से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के रूप में स्थानीय स्वशासन में भाग लेने के लिए दिया गया है।[2]हरियाणा में 73वें संविधान सशोधन से पूर्व पंचायत के चुनाव नियमित और निश्चित समय पर नहीं करवाए जाते थे। लेकिन इस संशोधन के पश्चात पंचायती हरियाणा पंचायती राज एक्ट 1994 के पश्चात पंचायती राज व्यवस्था के तीनों स्तरों पर प्रथम चुनाव 1994 में करवाया। जिसमें महिलाओं

[1]शोधार्थी, राजनीतिक विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजास्थान
[2]सहआचार्य एवं विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। साथ ही 2020 में उसमें संशोधन कर महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है।[3]राजनीतिक सहभागिता एक जटिल प्रक्रिया है, जो राजनीतिक व्यवस्था एवं प्रक्रिया में जनता की सक्रिय भूमिका एवं व्यवहार को इंगित करती है, जो उनके सामाजीकरण, दृष्टिकोण एवं जानकारी पर आधारित होती है। इसकी प्रकृति मुलतः बहुस्तरीय तथा बहुआयामी होती है। राजनीतिक सहभागिता के अंतर्गत राजनीतिक अभिमुखीकरण, राजनीतिक गतिविधियों में भागीदारी, मत देना, निर्वाचन में खडे होना, चुनाव प्रसार, राजनीतिक पद प्राप्त करना आदि।[4]अतः प्रस्तुत शोध पत्र में महिला प्रतिनिधियों से राजनीति जानकारी, राजनीति में प्रवेश, बैठकों में भागीदारी, जनसपंर्क का माध्यम, राजनीतिक भागीदारी के लक्ष्य, दायित्व निर्वाहन में सहयोग, निर्णय–निर्माण प्रक्रिया में भागीदारी एवं समस्याएं, महिला आरक्षण के प्रभाव, राजनीति में भावी महत्वकांक्षा एवं समस्याएं आदिके संदर्भ में अध्ययन किया गया है,जो इस प्रकार है–

- **राजनीतिक पद संबंधी जानकारी**

क्र. सं.	राजनीतिक पद	जानकारी प्राप्त की संख्या	प्रतिशत
1	देश के राष्ट्रपति	13	9.42
2	देश के प्रधानमंत्री	119	86.23
3	राज्य के राज्यपाल	10	7.25
4	राज्य के मुख्यमंत्री	115	83.33
5	क्षेत्र का विधायत	37	26.81
6	क्षेत्र का जिला प्रमुख	18	9.42

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतें की महिला सरपंचो में से सर्वाधिक संख्या (119) 86.23 प्रतिशत प्रधानमंत्री पद की जानकारी रखने वाले है। फिर (115) 83.33 प्रतिशत मुख्यमंत्री (37) 26.81 प्रतिशत क्षेत्र का विधायक (13)

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

9.42 प्रतिशत राष्ट्रपति व जिला प्रमुख तथा (10) 7.25 प्रतिशत राज्यपाल पद की जानकारी रखने वाली है।

- **राजनीतिक गतिविधियों में रूचि**

क्र. सं.	उत्तर	कुल संख्या	प्रतिशत
1	हां	10	1.25
2	नहीं	128	92.75

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की पंचायतों की महिला सरपंचो में सर्वाधिक संख्या (128) 92.75 प्रतिशत की राजनीति में रूचि नहीं है। कुछमहिला सरपंचो (10) 7.25 प्रतिशत की राजनीति में रूचि है।अतः स्पष्ट है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों में निर्वाचित महिलाओं की राजनीति में रूचि नहीं होती है।

- **राजनीतिक में प्रवेश के प्रेरणा स्रोत**

क्र. सं.	स्त्रोत	कुल संख्या	प्रतिशत
1	स्वयं	8	5.79
2	परिवार	36	26.08
3	मित्र	00	00
4	आरक्षण	138	100
कुल		182	133.67

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक महिला सरपंचों (138) 100 प्रतिशत का आरक्षण राजनीति में प्रवेश के प्रेरणा का स्त्रोत रहा हैं। स्वयं मित्र व परिवार के

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सदस्यों की प्रेरणा कम ही रही है। इससे ज्ञात होता है कि आरक्षण मात्र से ही महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता में वृध्दि होती है।

- **चुनाव के समय जनसपंर्क का माध्यम**

क्रं. सं.	माध्यम	कुल संख्या	प्रतिशत
1	घर–घर जाकर	138	100
2	सभा व संगठन करके	00	00
3	मध्यस्थता के माध्यम से	22	15.94
4	गांव की चौपाल में जाकर	7	5.07
कुल			

उपरोक्त सारणी से स्पश्ट होता हे कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों की सर्वाधिक संख्या 100 प्रतिशत महिला सरपंचो ने घर–घर जाकर चुनाव के समय जनसपंर्क किया है। मध्यस्थता के माध्यम से व गांव की चौपाल में जाकर संपर्क काफी कम महिला सरपंचो ने किया।

- **राजनीतिक क्षेत्र में भागीदारी का लक्ष्य संबंधी मत**

क्रं. सं.	उद्देश्य	कुल संख्या	प्रतिशत
1	महिला विकास	138	100
2	शिक्षा का प्रसार	138	100
3	समाज सेवा	37	21.81
4	अपने क्षेत्र का विकास	138	100
5	अन्य	–	–

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतो की महिला सरपंचो की (138) 100 प्रतिशत महिलाओं के उद्देश्य महिला विकास, शिक्षा का प्रसार व अपने क्षेत्र का विकास रहा है। जबकि (37) 26.81 प्रतिशत का उद्देश्य समाज सेवा रहा है। अतः स्पष्ट है कि महिला प्रतिनिधि अपने क्षेत्र व महिला विकास पर अधिक बल देती है।

- **महिला व बालिका के हित में कार्य**

क्रं. सं.	सदंर्भ	कुल संख्या	प्रतिशत
1	लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहन	138	100
2	अनौपचारिक महिला शिक्षा	35	26.36
3	महिला रोजगार	75	54.34
4	प्रसव केन्द्र	08	5.79
5	कुटीर उद्योग एवं हस्तशिल्प को प्रोत्साहन	21	15.21

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतो के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में करवाए गये कार्यो में सर्वाधिक संख्या (138) 100 प्रतिशत ने लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहन, (75) 54.34 प्रतिशत महिला रोजगार के संदर्भ में कार्य किया है। वही सबसे कम संख्या (8) 5.79 प्रतिशत ने प्रसव केन्द्र पर काम किये गये है। फिर (35) 26.36 प्रतिशत ने अनौपचारिक महिला शिक्षा व (21) 15.21 प्रतिशत ने कुटीर उद्योग एवं हस्तशिल्प को प्रोत्साहन के काम करवाये गये है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

- **पंचायतो की बैठको में भागीदारी संबंधी**

क्रं. सं.	भागीदारी	कुल संख्या	प्रतिशत
1	हां	96	69.57
2	कभी–कभी	42	30.43
3	नियमित	00	00
कुल		138	100

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों की महिला सरपंचों की सर्वाधिक संख्या (96) 69.57 प्रतिशत महिलाएं पंचायत की बैठको में भागीदारी लेती है जबकि (42) 30.43 प्रतिशत महिलाएं कभी–कभी बैठकों में भाग लेती है। अतः कहा जा सकता है कि महिला जो केवल घर के भीतर पर्दे में रहती थी। आज वो घर से बाहर आकर पंचायतों की बैठकों में जा रही है।

- **महिला राजनीतिक सहभागिता को प्रभावित करने वाले कारक**

क्रं. सं.	कारक	कुल संख्या	प्रतिशत
1	महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता का अभाव	138	100
2	घरेलु कार्यो में अत्यधिक व्यवस्थतता	120	86.95
3	आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर न होना	138	100
4	स्वयं की रूचि न होना	138	100
5	चुनाव में अत्यधिक धन का खर्च होना	130	100
6	राजनीति में अपराध व हिंसा	87	63.04

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों की महिला सरपंचो ने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के संबंध में विभिन्न बाधाओं के रूप में महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता का अभाव (138) 100 प्रतिशत, घरेलु कार्यो में अत्यधिक व्यवस्थतता (120) 86.95 प्रतिशत, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर न होना, स्वयं की

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

रूचि न होना, चुनाव में अत्यधिक धन का खर्च होना, राजनीति में अपराध व हिंसा आदि (138) 100 प्रतिशत बाधाएं आती है।

- **निर्णय–निर्माण प्रक्रिया के दौरान आने वाली समस्याएं**

क्रं. सं.	समस्याएं	कुल संख्या	प्रतिशत
1	परिवारिक समस्याएं	75	54.35
2	शिक्षा का अभाव	68	49.28
3	राजनीतिक जानकारी का अभाव	112	31.16
कुल		138	100

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों की महिला सरपंचो की सर्वाधिक संख्या (112) 81.16 प्रतिशत को राजनीति जानकारी का अभाव होने के कारण राजनीतिक कार्यो को पूरा करते समय समस्याएं होती है। जबकि सबसे कम संख्या (68) 49.28 प्रतिशत को शिक्षा का अभाव होने के कारण कार्यो को पूरा करते समय समस्याएं आती है। फिर (75) 54.35 प्रतिशत को परिवारिक समस्याएं होने के कारण समस्या होती है।

- **दायित्व निर्वाह में विभिन्न व्यक्तियों का सहयोग**

क्रं. सं.	सहयोग	कुल संख्या	प्रतिशत
1	सहयोगी सदस्य	15	10.87
2	सरकारी सदस्य	47	34.07
3	परिवार के सदस्य	138	100
4	क्षेत्र के प्रभावशाली सदस्य	13	9.42
कुल		213	154.35

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों की महिला सरपंचों की सर्वाधिक संख्या (138) 100 प्रतिशत महिलाओं का परिवार के सदस्यों ने कार्यो को पूरा करने में सहयोग दिया है। सरकारी सदस्य 34.07 प्रतिशत सहयोगी सदस्य 10.87 प्रतिशत तथा 9.42 क्षेत्र के प्रभावशाली सदस्यों का सहयोग प्राप्त किया।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

- **महिला आरक्षण के प्रभाव**

क्रं. सं.	प्रभाव	कुल संख्या	प्रतिशत
1	महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता में वृध्दि	40	28.98
2	राजनीति में पुरूषों के एकाधिकार पर रोक	53	38.40
3	महिलाएं नाममात्र की पदाधिकारी है वास्तव में पुरूष ही शक्तियों का प्रयोग करते हैं	72	52.14
कुल		165	119.55

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों की महिला सरपंचो की सर्वाधिक संख्या (72) 52.17 प्रतिशत मानती है कि महिलाएं नाममात्र की पदाधिकारी है वास्तव में पुरूष ही शक्तियों का प्रयोग करते है जबकि (40) 28.98 प्रतिशत का मानना है कि महिलाआं की राजनीतिक सहभागिता में वृध्दि हुई है तथा (53) 38.40 प्रतिशत का मानना है कि राजनीति में पुरूषों के एकाधिकार पर रोक लगी है।

- **राजनीति में भावी महत्वकांक्षा**

क्रं. सं.	क्षेत्र	कुल संख्या	प्रतिशत
1	पुनः पंचायत चुनाव लड़ने की	10	7.25
2	राज्य/राष्ट्रीय राजनीति में आने की	00	00
3	कोई महत्वकांक्षा नहीं	120	92.75
कुल		138	100

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों की महिला सरपंचों में सर्वाधिक संख्या (128) 92.75 प्रतिशत उन महिला सरपंचो की है

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 13 Issue 11, November 2023,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

जो भविष्य में राजनति में आने की कोई महत्वकांक्षा नहीं रखती है। जबकि (10) 7. 25 प्रतिशत महिला सरपंचो की पुनः पंचायत चुनाव लड़ने की महत्वकांक्षा रही है। दलगत राजनीति तथा राज्य व राष्ट्रीय राजनीति में आने की महत्वकांक्षा नगण्य रही है।

- **समस्याओं के निराकरण हेतु सुझाव**

महिलाओं का राष्ट्र के विकास में समुचित योगदान हो सके, महिला शक्ति को देश के विकास में सदुपयोग करने के लिए इस बात को ध्यान में रखते हुए महिला के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर कर उन्हें राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय हिस्सा लेने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जा सकता है। रेवाड़ी जिले की ग्राम पंचायतों की महिला सरपंचो ने महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता बढ़ाने हेतु निम्न सुझाव दिये है जो इस प्रकार है –

- महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए।
- परिवार का सहयोग तथा परिवारिक दायित्वों में परिवर्तन किया जाए।
- आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावादिया जाए।
- समाज के दृष्टिकोण में परिवर्तन किया जाए।
- अन्य स्तरों पर भी महिला आरक्षण को बढ़ावा दिया जाए।
- प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए।

इससे स्पष्ट होता है कि महिला सरपंच, जो कि सक्रिय राजनीति में कार्यरत है महिलाओं की राजनीति में भागीदारी से संतुष्ट नहीं है और उसमें वृध्दि हेतु प्रयासों पर बल देती है ताकि महिलाओं की राजनीति में सहभागिता बढे, जो भारतीय लोकतंत्र के वास्तविक और गतिशील स्वरूप का आधार है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि हरियाणा के रेवाड़ी जिले की महिला प्रतिनिधियों की राजनीतिक सहभागिता कम ही रही है। महिलाओं को राजनीति में भागीदारी में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ता है। आवश्यकता इस बात की है कि महिला को पुरूषों के समकक्ष समाज में सम्मान दिया जाये, उन्हें भी महत्वपूर्ण समक्षा जाये। उन्हें जीवन के

प्रत्येक क्षेत्र में प्रवेश करने में समान अवसर उपलब्ध कराये जाये। जिससे वे एक सजग प्रहरी की भांति राजनीति के क्षेत्र में प्रवेश कर सभी वर्गो के अधिकारों की सुरक्षा करने के साथ–साथ देश के विकास में अपना पूर्ण योगदान दे सके। महिलाओं के प्रति प्रशासनिक, मानसिक तथा व्यावहारिक स्तर पर परिवर्तन की धीमी प्रक्रिया की गति को तीव्रता प्रदान करने की आवश्यकता है। यदि उक्त सुझावों को वास्तव में अपनाया जाए तो निश्चित ही महिलाओं में राजनीतिक सहभागिता हो सकेगी और वे पंचायतों में ही नहीं बल्कि लोकसभा, विधानसभा में अपनी उपयोगी सहभागिता निभा सकेगी। तभी भारत में लोकतंत्र के लक्ष्य को वास्तविक एवं मूर्त रूप में स्थापित किया जा सकता है।

संदर्भग्रन्थ

1. कोठारी, रजनी, ''भारत में राजनीति'', ओरियन्ट पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1970, पृ.सं. 19
2. स्तोगी अल्का, ''महिला सशक्तिकरणः प्रयास और लक्ष्य, कुरूक्षेत्र, मार्च 2005, पृ.सं. 13
3. www.samrujala.com , 20 sep 2023
4. चतुर्वेदी इनाक्षी, व अग्रवाल सीमा, ''महिला नेतृत्व एवं राजनीतिक सहभागिता'', अविष्कार पब्लिसर, नई दिल्ली, 2010